साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें ...
संपर्क करे- 9425156055
वर्ष-09 अंक-100 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 02 जनवरी 2026 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

शरीर के लिए केवल केमिकल का पानी है रिफाइंड तेल खाने में कौन सा तेल होता है स्वास्थवर्धक

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

आजकल रसोई में रिफाइंड तेल का बोलबाला है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए कितना हानिकारक हो सकता है? रिफाइंड तेल को बनाने की प्रक्रिया में उच्च तापमान पर कई चरणों से गुजारा जाता है, जिसमें इसे ब्लीच किया जाता है, दुर्गंध मुक्त किया जाता है और कई रसायनों का उपयोग किया जाता है। इस अत्यधिक प्रोसेसिंग के कारण तेल के सभी प्राकृतिक पोषक तत्व, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट नष्ट हो जाते हैं, जिससे यह वास्तव में ÷मरा हुआ तेल÷ बन जाता है। यह केवल कैलोरी का स्रोत रह जाता है, जिसमें शरीर के लिए कोई वास्तविक पोषण मूल्य नहीं होता। इसके विपरीत, यह शरीर में सूजन, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है, क्योंकि यह हमारी नसों को ब्लॉक करने वाले हानिकारक ट्रांस-फैट्स को बढ़ावा देता है। ?इसके स्थान पर, कच्ची घानी तेल एक स्वस्थ विकल्प है। इसे पारंपरिक तरीके से कम तापमान पर निकाला जाता है, जिससे इसके प्राकृतिक गुण, स्वाद और सुगंध बरकरार रहते हैं। कच्ची घानी तेल में आवश्यक फैटी एसिड, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो आपके दिल, दिमाग और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। अपने आहार में कच्ची घानी तेल को अपनाकर आप अपने शरीर को प्राकृतिक ऊर्जा और जीवन दे सकते हैं!

मुख्यमंत्री ने राजकोट के उपलेटा में श्री वैदिक मिशन ट्रस्ट के कार्यक्रम में की सहभागिता

परमार्थ और देशभक्ति का भाव हो हम सभी में :मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जीव मात्र का समग्र कल्याण ही मानवता का पहला लक्ष्य है। जियो और जीने दो हमारे जीवन का शाश्वत दर्शन है। हमारे यहां नैतिक शिक्षा, राष्ट्रभक्ति और संस्कारयुक्त जीवन पद्धति की एक लंबी परम्परा रही है। यह हम भारतीयों का स्व-अनुशासन ही है, जिससे भारत आज विश्व की महाशक्ति के रूप में तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सब उस भारतीय मातृ सत्तात्मक संस्कृति के संवाहक है, जहां माताओं और बहनों को देवी के रूप में पूजा जाता है। हमारे यहां बच्चा-बच्चा भी भारत माता की जय बोलकर राष्ट्रमाता को सम्मान देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को गुजरात के राजकोट जिले के प्रांसला के समीप उपलेटा में श्री वैदिक मिशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित 26वें %राष्ट्रकथा शिविर% को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिविर में सहभागिता कर ट्रस्ट के गुजरात के प्रमुख व महान विचारक स्वामी धर्मबंधु जी महाराज का आशीर्वाद लिया और कहा कि हम सभी को अपने जीवन में हमेशा अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए। पूज्य स्वामी जी ने हम सबको नई जीवन दृष्टि दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किताबी ज्ञान से व्यवहारिक और वास्तविक ज्ञान बेहतर है और हमारी युवा पीढ़ी को उनकी असीम शक्तियों का भान कराना भी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि नेकी, परमार्थ और राष्ट्रभक्ति का सहज भाव शरीर में रक्त की तरह हम सभी में प्रवाहमान होना चाहिए। वसुधैव कुटुम्बकम हमारी संस्कृति का जीवोमूल लक्ष्य है और हमें इसी दिशा में और भी मजबूती से आगे बढ़ाना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि द्वादश ज्योतिर्लिंगों में श्री सोमनाथ धाम भी शामिल है। देश में सनातन संस्कृति की धारा सभी क्षेत्रों में बह रही है। राष्ट्रकथा शिविर में स्वामीजी ने देश के विभिन्न प्रांतों से शामिल हुई युवा शक्ति को राष्ट्र के विकास के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश फिर से विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गुरु की महिमा को देखेंगे तो गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर लेकर जाते हैं। भारत ने हजारों वर्षों से दुनिया को विश्व बंधुत्व का संदेश दिया है। भारतीय परिवारों में मां का अपना अलग ही स्थान होता है। मां ही हम सभी की पहली गुरु होती हैं। दुनिया में सभी देश अपनी गौरवशाली संस्कृति पर गर्व करते हैं, लेकिन अन्य किसी भी देश में मातृ संस्कृति का आधार देखने को नहीं मिलता।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोविड के समय जब दुनिया की जनता त्राहिमाम कर रही थी, तब प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी संकल्प शक्ति के बल पर कठिन समय में महामारी का सामना किया। हमने स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए संयमित जीवन शैली अपनाई और गांव, गली, मोहल्लें, कस्बों को भी सुरक्षित रखते हुए पूरी दुनिया को भी इस इससे उबारा। कोविड वैक्सीन बनाकर भारत ने 40 से अधिक देशों को यह वैक्सीन भेजी और वहां के लोगों की जान भी बचाई। हमें अपनी इसी परोपकारी संस्कृति पर गर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत आज हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। यह सही है कि किताबी ज्ञान से अंकसूची और मेरिट लिस्ट में पहचान बन सकती है, लेकिन केवल कागजी डिग्री से काम नहीं चलता है। हमारे लिए पढ़ाई केवल नौकरी पाना नहीं है, बल्कि इससे इतर बच्चों का नैतिक और संस्कारयुक्त समग्र विकास करना है। हमारे नागरिकों में स्वाभाविक रूप से स्व-अनुशासन का भाव है। दुनिया के कई देशों में लोगों को नियंत्रित करने के लिए केवल दंड व्यवस्था है, जहां हर 10 में से एक सैनिक या पुलिसकर्मी समाज को कंट्रोल करता है, लेकिन हम ऐसे समाज के लोग हैं कि जहां पुलिस का काम नहीं पड़ता है और 100-100 गांवों को एक ही पुलिसकर्मी संभालता है।

मंत्रालय में राष्ट्र-गीत 'वंदे-मातरम' एवं राष्ट्र गान 'जन-गण-मन' का सामूहिक गायन हुआ

भोपाल । वर्ष 2026 के जनवरी माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर गुरूवार सुबह मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत "वंदे-मातरम" एवं राष्ट्र-गान "जन-गण-मन" का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर पुलिस बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत की। सामूहिक गायन में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण तथा विमुक्त, घुमन्तु, अर्द्धघुमन्तु कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर शामिल हुई।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर और मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों को नव-वर्ष की शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, श्री मनु श्रीवास्तव, श्री के.सी.गुप्ता, श्री संजय कुमार शुक्ला सहित मंत्रालय वल्लभ भवन, सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

एम्स भोपाल में अंगदान पर जागरूकता सेमिनार उद्देश्य आम लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करना

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

एम्स भोपाल के नर्सिंग कॉलेज में "ऑर्गन डोनेशन मल्टीडिसिप्लिनरी एंड नर्सिंग पर्सपेक्टिव्स" विषय पर एक जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार का उद्देश्य आम नागरिकों और स्वास्थ्यकर्मियों को अंगदान के महत्व, प्रक्रिया और इससे जुड़ी भ्रांतियों के बारे में सरल भाषा में जानकारी देना था। मुख्य वक्ता डॉ. रीता डार ने अंगदान

के चिकित्सकीय, नैतिक, कानूनी और सामाजिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. (डॉ.) योगेश निवारिया (विभागाध्यक्ष, कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी) तथा अंग प्रत्यारोपण समन्वयक सहित नर्सिंग प्रोफेशनल्स ने अपने अनुभव साझा किए। एमएससी नर्सिंग और बीएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी के साथ यह कार्यक्रम आम लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करने वाला रहा।

Legal advice- सह आरोपी किस कानून के तहत कोर्ट से क्षमा याचना कर सकता है, जानिए

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 343 के अनुसार ऐसे सह-आरोपी व्यक्ति जिनके अपराध की जाँच या विचारण सत्र न्यायालय में चल रही है या किसी विशेष न्यायालय में चल रही है। या फिर कोई आरोपित अपराध का दण्ड सात वर्ष या उससे अधिक कारावास का हो उसे क्षमा दान किया जा सकता है। सह आरोपी वह व्यक्ति होता है जिसने किसी अपराध के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुख्य आरोपी के साथ अपराध में भाग लिया हो। न्यायालय कब सह आरोपी को मुक्त कर सकता है जानिए।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 343 की उपधारा 01 परिभाषा

न्यायालय को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 344 के अंतर्गत क्षमा दान के निर्देश देने की शक्ति प्राप्त है=

जब अगर कोई आरोप का अन्वेषण पुलिस द्वारा चल रहा हो, या मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के पास जांच पर हो या विचारण पर हो तब।

प्रथम वर्ग न्यायिक मजिस्ट्रेट किसी अपराध के जांच एवं विचारण पर सह आरोपी को क्षमा कर सकता है। ÷जैसे कि भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 101/3(5) के अंतर्गत किसी व्यक्ति पर हत्या का आरोप है और उसके साथ एक या एक से अधिक अन्य व्यक्ति भी अपराध में शामिल है तब मुख्य आरोपी को छोड़कर अन्य आरोपी व्यक्ति सह आरोपी होंगे एवं उक्त धारा के अंतर्गत वह न्यायालय से क्षमा मांग सकते हैं। Notice: this is the copyright protected post. do not try to copy of this article) डिस्क्लेमर - यह जानकारी केवल शिक्षा और जागरूकता के लिए है। कृपया किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से पहले बार एसोसिएशन द्वारा अधिकृत एडवोकेट से संपर्क करें ।

एनर्जी ड्रिंक्स से स्वास्थ्य संबंधी खतरों को जानते हुए भी युवा एनर्जी ड्रिंक्स का सेवन करते रहते हैं

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

एक नए अध्ययन में पाया गया है कि भले ही अधिकांश युवा एनर्जी ड्रिंक्स के खतरों के बारे में जानते हैं, फिर भी वे इनका नियमित रूप से सेवन करते रहते हैं। कई छात्र थकान दूर करने, पढ़ाई के दौरान ध्यान केंद्रित रखने या जिम में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए इन ड्रिंक्स का इस्तेमाल करते हैं। शोध में पाया गया कि मार्केटिंग की अहम भूमिका है, जो एनर्जी ड्रिंक्स को शक्ति और सतर्कता के प्रतीक के रूप में बढ़ावा देती है, जबकि हृदय पर दबाव, नींद की समस्या या लत जैसे इनके नकारात्मक प्रभावों का ज़िक्र बहुत कम करती है। दिलचस्प बात यह है कि अध्ययन से पता चला कि मेडिकल या स्वास्थ्य संबंधी क्षेत्रों से बाहर के छात्र, पुरुष, अविवाहित व्यक्ति और सक्रिय जीवनशैली वाले लोग एनर्जी ड्रिंक्स का अधिक सेवन करते हैं। यहां तक ??कि जो छात्र इसके खतरों को पूरी तरह समझते हैं, वे भी तनाव या थकान की स्थिति में इनका सेवन करते हैं। इससे पता चलता है कि जीवनशैली के दबाव और सामाजिक प्रभावों के चलते सिर्फ जागरूकता से व्यवहार में बदलाव नहीं आता। शोधकर्ताओं का मानना ??है कि युवाओं को सिर्फ खतरों के बारे में शिक्षित करना पर्याप्त नहीं है। वे सख्त मार्केटिंग नियमों, नाबालिगों को बिक्री सीमित करने और कैंपस में एनर्जी ड्रिंक्स की उपलब्धता कम करने की सलाह देते हैं। इन बदलावों को तनाव प्रबंधन कार्यक्रमों और स्वस्थ पेय विकल्पों के साथ मिलाकर युवाओं में इनके अत्यधिक सेवन को कम करने में मदद मिल सकती है।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में प्रकृति संरक्षण विषय पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में प्रकृति संरक्षण विषय पर दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 13 जिलों के 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्य-जीव अभिरक्षक शुभरंजन सेन ने कहा कि समाज में यदि कोई परिवर्तन लाना हो, तो उसके लिये विद्यार्थियों का साथ आना बहुत जरूरी है। विद्यार्थियों के मानस में परिवर्तन करने के लिये शिक्षक ही सबसे उपयोगी साबित हो सकता है। यदि शिक्षक प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक हो जाये, तो निश्चित ही वह अपने विद्यार्थियों को भी इस अभियान से जुड़ने के लिये प्रेरित कर पायेंगे। सेन प्रकृति संरक्षण विषय पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।कार्यशाला में परियोजना के सलाहकार एवं संयोजक आर.निवास मूर्ति ने कहा कि समाज को आज प्रकृति संरक्षण के लिये प्रेरित करने की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। प्रकृति संरक्षण और विभिन्न आयामों एवं उनसे होने वाली समस्याओं से निपटने के लिये हमें आगे आने वाली पीढ़ी, जो विद्यार्थियों के रूप में हमारे सामने है, को सचेत करते हुए उन्हें प्रकृति संरक्षण के लिये प्रेरित करना चाहिये। इसके लिये शिक्षक बहुत महत्वपूर्ण कड़ी है। संचालक वन विहार राष्ट्रीय उद्यान ने कहा कि शिक्षक यहाँ से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अपने विद्यालय और आसपास के अन्य विद्यालयों के शिक्षकों को भी प्रकृति संरक्षण के अभियान से जोड़ने के लिये प्रेरित करेंगे।कार्यशाला के समापन समारोह के विशेष अतिथि डॉ. सुहास कुमार ने कहा कि यदि हमें हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिये रहने योग्य पृथ्वी देना है, तो हमें आज ही प्रकृति संरक्षण को अपने दैनिक जीवन में अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि इसमें अगर देर हुई तो शायद हम फिर एक स्वस्थ वातावरण को न पा सकेंगे। सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश जैव विविधता बोर्ड श्री अजय यादव ने कहा कि जैव विविधता का संरक्षण बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला की सफलता पर मुझे पूरा विश्वास है कि शिक्षकों के माध्यम से बच्चों में गुणात्मक रूप से जैव विविधता संरक्षण के संदेश को पहुँचाया जायेगा।

देवरी जिला रायसेन में भीम आर्मी की समीक्षा बैठक, संविधान सम्मान को लेकर उठी आवाज

IAS संतोष वर्मा के समर्थन में ज्ञापन सौंपा

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता।

देवरी/ रायसेन। भीम आर्मी भारत एकता मिशन द्वारा देवरी में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन की मजबूती, विस्तार और आगामी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा और वंचित वर्गों के अधिकारों को लेकर गंभीर मंथन हुआ। जिला अध्यक्ष राकेश अंबेडकर के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा दिए गए कथित बयान को लेकर भी बैठक में तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि उक्त वक्तव्य भारतीय संविधान की मूल भावना और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों के विपरीत है।

भीम आर्मी भारत एक कमीशन के सदस्यों में जिसमें ने बताया कि यह मामला संविधान के अनुच्छेद 14, 15(4), 16(4), 21, 38(2) एवं 46 की भावना के खिलाफ है, जो सामाजिक न्याय, समानता और वंचित वर्गों के संरक्षण की गारंटी देते हैं। बैठक में कहा गया कि इस तरह के बयान समाज में जातीय तनाव और वैमनस्य फैलाने का कार्य करते हैं।

बैठक के उपरांत संगठन की ओर से ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि आईएएस अधिकारी के खिलाफ जारी कारण बताओ नोटिस को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एक स्वतंत्र समिति गठित की जाए। साथ ही जातीय तनाव फैलाने वाले तत्वों पर एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन की प्रतिलिपि राज्यपाल, मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक, मध्य प्रदेश को भेजी गई है। संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसमें भीम आर्मी, जायस, गोंडवाना, ओबीसी, अहिरवार समाज संघ के तमाम सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शासकीय महाविद्यालय उदयपुरा द्वारा कॉलेज चलो अभियान संचालित

हाई सेकेंडरी विद्यालयों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को दी जा रही शासकीय योजनाओं की जानकारी

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। शासकीय महाविद्यालय उदयपुरा द्वारा विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से कॉलेज चलो अभियान संचालित किया जा रहा है। यह अभियान 5 दिसंबर से 5 जनवरी के मध्य प्रथम चरण में चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत क्षेत्र के समस्त शासकीय एवं अशासकीय हाई सेकेंडरी विद्यालयों में महाविद्यालय की टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह अभियान महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अन्नू बड़कुर के मार्गदर्शन में तथा कार्यक्रम प्रभारी डॉ. श्याम नेमा के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। महाविद्यालय के समस्त स्टाफ द्वारा विद्यालयों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को शासन की विभिन्न शैक्षणिक एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मेधावी विद्यार्थी योजना, सेंट्रल सेक्टर स्कॉलरशिप, गांव की बेटी योजना, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, आवास योजना, संभल योजना सहित अन्य योजनाओं के लाभ और आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों, विषय चयन, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों और उच्च शिक्षा में उपलब्ध अवसरों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। कॉलेज चलो अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में उच्च शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने और उन्हें सही मार्गदर्शन प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है।

नवीन वर्ष सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता की नई किरण लेकर आए

कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने जिलेवासियों को दी नववर्ष की शुभकामनाएं

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

रायसेन, । कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा ने नववर्ष 2026 के अवसर पर जिलेवासियों तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नवीन वर्ष नए संकल्प, नई ऊर्जा और नए अवसरों का प्रतीक है तथा यह सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता लेकर आए।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार एवं अधोसंरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति दी जाएगी और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर उन्हें आमजन तक सुगमता से पहुंचाया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों से सुशासन की दिशा में कार्य करने, समय प्रबंधन बेहतर रखने और आमजन को त्वरित एवं बेहतर सेवाएं प्रदान करने का आह्वान किया।

34 वर्षों की निष्ठापूर्ण सेवा के उपरांत सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित

उदयपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वाहन चालक मुन्नालाल रजक की गरिमामय विदाई

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुरा में वाहन चालक मुन्नालाल रजक के सेवानिवृत्त होने पर एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में नगर के गणमान्य नागरिकों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने उनकी सेवाओं की सराहना करते हुए भावभीनी विदाई दी।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री पुत्र अभिज्ञान पटेल सहित शिवनारायण मालानी, डॉ. महेंद्र सिंह धाकड़, अभिषेक श्रीवास्तव, केशव सिंह पटेल, बृज गोपाल लोया, कुलदीप बिश्नोई, संदीप बिश्नोई, गिरधारी लाल जैन, मनोज तोमर, मनोज दीक्षित, उमेश धाकड़, संजय रघुवंशी, मुकुंद व्यास, भगवान सिंह बड़कुर, महेंद्र रघुवंशी, हेमराज सिंह राजपूत, शेखर सिंह, भवानी सोनी, एडवोकेट नायकजी, नईम मामू, मिथलेश मेहरा, संजय बड़कुर, रंजीत खत्री सहित अनेक नागरिक एवं सहकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुन्नालाल रजक को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके स्वस्थ, सुखद और दीर्घायु जीवन की कामना की गई। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. महेंद्र सिंह धाकड़ ने कहा कि मुन्नालाल रजक ने अपने लगभग 34 वर्षों के सेवाकाल में पूरी ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। उन्हें जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई, उसे उन्होंने बिना किसी भय और पूरी निष्ठा से पूर्ण किया। उनका सेवाभाव स्वास्थ्य केंद्र के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। इस पूरे कार्यक्रम का आयोजन पुत्र आशीष रजक द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थितजनों द्वारा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ किया गया।

ग्राम नादनेर में होने वाले 108 कुंडी का महायज्ञ को लेकर बैठक सम्पन्न हुई

पत्रकार बीआर अहिरवार बुधनी।। बुधनी तहसील के ग्राम पंचायत नादनेर में जिला का सबसे बड़ा महायज्ञ 17 जनवरी 2026 से प्रारम्भ होने वाला है इसकी शुरुआत कलश यात्रा से होगी इसी के संदर्भ में समस्त ग्रामवासी के साथ सीताराम महायज्ञ 108 कुंडी के विषय में चर्चाएं हुई इसमें गुरुदेव जी एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे एवं इस महायज्ञ में मुख्य यजमान बनने हेतु बैठक की गईह्न एवं यज्ञ की रूपरेखा पर चर्चा हुई।

आदिवासी सरपंच प्रतिनिधि पर प्राणघातक हमला, SC/ST एक्ट में कार्रवाई की मांग

जय आदिवासी युवा शक्ति (JAYS) ने एसपी रायसेन को सौंपा ज्ञापन

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा/ रायसेन । जिला रायसेन की ग्राम पंचायत पचामा में आदिवासी सरपंच प्रतिनिधि पर गैर-आदिवासियों द्वारा किए गए प्राणघातक हमले का मामला सामने आया है। इस गंभीर घटना को लेकर जय आदिवासी युवा शक्ति (JAYS) संगठन ने पुलिस अधीक्षक रायसेन को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ IPC एवं SC/ST अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि दिनांक 11 दिसंबर 2025 को ग्राम पंचायत पचामा के आदिवासी सरपंच प्रतिनिधि पर सुनियोजित तरीके से हमला किया गया। आरोपियों ने जानबूझकर अपनी गाड़ी से टक्कर मारकर उन्हें घायल किया, जिससे उनके पैर में गंभीर चोट आई। हमले के दौरान आरोपियों द्वारा जातिसूचक गालियां दी गईं तथा जान से मारने की धमकी भी दी गई।

संगठन का आरोप है कि इतनी गंभीर घटना के बावजूद पुलिस प्रशासन द्वारा अब तक स्ह/स्त्र (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 एवं संशोधित अधिनियम 2015-2018 की धाराओं के अंतर्गत कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे आदिवासी समाज में रोष व्याप्त है।

ज्ञापन में IPC की धारा 307 (हत्या का प्रयास), 325 (गंभीर चोट) सहित SC/ST एक्ट की धाराओं 3(1)(ह्न), 3(1)(s), 3(2)(1) के तहत तत्काल FIR दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी, पीड़ित को सुरक्षा एवं मुआवजा देने तथा मामले की जांच हेतु विशेष जांच दल (SIT) गठित करने की मांग की गई है। JAYS संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन एवं समस्त आदिवासी समाज द्वारा थाना उदयपुरा एवं कलेक्ट्रेट रायसेन का घेराव कर आंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

केसरिया कल्याण समिति में नेतृत्व परिवर्तन, राजीव सिंह कौरव को मिली बड़ी जिम्मेदारी

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल । केसरिया कल्याण समिति में संगठनात्मक विस्तार के अंतर्गत राजीव सिंह कौरव को एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति द्वारा उन्हें प्रदेश कार्यालय मंत्री एवं युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष (भोपाल) के पद पर नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर केसरिया कल्याण समिति के संस्थापक अध्यक्ष कृपाल सिंह राजपूत ने नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि राजीव सिंह कौरव की संगठन के प्रति निष्ठा, कार्यक्षमता एवं सामाजिक सक्रियता को देखते हुए यह दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि राजीव सिंह कौरव अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे। नवनियुक्त पदाधिकारी राजीव कौरव ने समिति के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे केसरिया कल्याण समिति के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने, युवाओं को संगठन से जोड़ने तथा सामाजिक सेवा के कार्यों को मजबूती देने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। समिति से जुड़े पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने राजीव कौरव को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

वीर बाल दिवस मनाया गया

बुधनी।।

शासकीय हाई स्कूल खटपुरा में वीर बाल दिवस के अवसर पर गतिविधि करवाई गई एवं बच्चों को को सम्मानित किया गया । इस अवसर पर शाला प्राचार्य श्री कप्तान सिंह चौहान शाला शिक्षक श्री घनश्याम प्रजापति, योगेश हनवंत, वरिष्ठ शिक्षक श्री दीनदयाल गौर, श्री महेश पालीवाल, श्री रामभरोस वर्मा, श्री चरण सिंह, श्री दीपक चौहान, अरविंद कुमार अहिरवार, कृति अहिरवार, ज्योति अहिरवार, रमा गौर, बालकराम अहिरवार एवं छात्रों ने भाग लिया ।

भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ बहरूपिया महोत्सव

अंत भला तो सब भला, लोक कला हमारी पहचान, इसे सहेजना हम सभी की जिम्मेदारीः श्यामबिहारी जायसवाल

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ

एमसीबी/मनेन्द्रगढ़।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर मनेन्द्रगढ़ में आयोजित परंपरागत बहरूपिया महोत्सव भव्यता, अनुशासन और सांस्कृतिक उल्लास के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। रंग, रूप और रचनात्मकता से सजी इस सांस्कृतिक संध्या ने लोक परंपराओं की जीवंत झलक प्रस्तुत की और दर्शकों को देर शाम तक बांधे रखा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि बहरूपिया जैसी लोक कलाएं हमारी सांस्कृतिक पहचान की आत्मा हैं। इन्हें जीवित रखना समाज और शासन दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और सामाजिक जागरूकता का प्रभावी माध्यम भी बनते हैं। मंत्री श्री जायसवाल ने कहा की लोक

कलाकार समाज के दर्पण होते हैं। उनकी प्रस्तुतियों में संस्कृति, संस्कार और संदेश तीनों समाहित रहते हैं। मनेन्द्रगढ़ की यह परंपरा आज भी जीवंत है। यह पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने आयोजन समिति, कलाकारों और नगरवासियों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को शासन स्तर पर सहयोग देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान बहरूपिया कलाकारों की एकल और सामूहिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों की भरपूर सराहना बटोरी। पौराणिक चरित्रों के साथ सामाजिक संदेशों से जुड़ी प्रस्तुतियों ने लोक कला की समृद्ध परंपरा को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया। समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण किया गया।

प्रतियोगिता परिणाम इस प्रकार रहे

एकल वर्ग प्रथमः नरसिंह अवतार का सशक्त अभिनय करने वाले अर्जुन यादव

द्वितीयः हेलमेट के प्रति जागरूकता संदेश देते हुए यमराज का किरदार निभाने वाले पूर्व पार्षद गुरुचरण सिंह

तृतीयः करें योग, रहें निरोग÷ का संदेश देने वाली नन्ही प्रतिभागी

समूह वर्ग

प्रथमः चिरमिरी के कलाकारों को भील आदिवासियों की शानदार प्रस्तुति के लिये

द्वितीयः दानवीर कर्ण पर आधारित समूह प्रस्तुति

तृतीयःभगवान परशुराम और कर्ण के उत्कृष्ट अभिनय के लिये

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथि

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, पूर्व विधायक भरतपुर-सोनहत गुलाब कमरों, भाजपा जिलाध्यक्ष चम्पादेवी पावले, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, आईबीसी 24 न्यूज़ चैनल के वरिष्ठ एंकर पुनीत पाठक, नेता प्रतिपक्ष अनिल प्रजापति, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राजकुमार केशरवानी, पूर्व पार्षद श्यामसुंदर पोद्दार, राहुल सिंह, आशीष सिंह, जयाकर, पंकज जैन संचेती, संजीव ताम्रकार सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं कला प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल समापन पर आयोजकों ने सभी अतिथियों, कलाकारों, प्रशासन और नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। बहरूपिया महोत्सव मनेन्द्रगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध करते हुए एक यादगार आयोजन के रूप में सम्पन्न हुआ।

अमरकंटक में कड़ाके की ठंड में आस्था की डुबकी

नए वर्ष 2026 में 40-50 हजार भक्तों का उमड़ा जन सैलाब, प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

अनूपपुर/ अमरकंटक

नए साल 2026 के मौके पर मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में स्थिति पवित्र नगरी अमरकंटक में श्रद्धालुओं का जबरदस्त सैलाब उमड़ पड़ा है। नया साल उत्सव के तहत देशभर से हजारों भक्त नर्मदा उद्गम स्थल पहुंच रहे हैं।

अमरकंटक में सुबह-शाम ओस जमकर बर्फ जैसी स्थिति बना रही है, जिससे पूरी नगरी सफेद चादर में लिपटी नजर आ रही है। इसके बावजूद श्रद्धालु नर्मदा कुंड में स्नान कर नववर्ष में सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं।

पर्यटन स्थलों पर उमड़ी रिकॉर्ड भीड़

झूला पुल, कपिलधारा और सोनमूड़ा जैसे प्रमुख स्थानो पर श्रद्धालुओं और पर्यटकों से खचाखच भरे हुए हैं। खासतौर सेल्फी और वीडियो बनाने वालों की भारी भीड़ देखी जा रही है। धार्मिक आस्था के साथ-साथ अमरकंटक का प्राकृतिक सौंदर्य भी लोगों को आकर्षित कर रहा है।

नर्मदा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

नर्मदा मंदिर में सुबह से ही दर्शन और आरती का सिलसिला जारी है। नर्मदा मंदिर के पुजारी रूपेश द्विवेदी ने बताया कि नए साल पर मां नर्मदा के दर्शन का विशेष धार्मिक महत्व होता है।

प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को सख्त कर दिया है। अमरकंटक और राजेंद्रग्राम थानों के साथ ही बाहर से अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर लगातार नजर रखी जा रही है।

30 से 40 हजार श्रद्धालु कर चुके हैं दर्शन

पुष्पराजगढ़ एसडीओपी नवीन तिवारी ने बताया कि अब तक करीब 30 से 40 हजार श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचकर दर्शन कर चुके हैं। सोनमूड़ा, कपिलधारा और नर्मदा मंदिर परिसर में करीब 50 अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। प्रशासन का दावा है कि यातायात व्यवस्था और सभी मूलभूत सुविधाएं पूरी तरह दुरुस्त हैं।

बाड़ी बरेली में होगा तीन दिवसीय रामकृष्ण रंगोत्सव 2023-24 का विनम्र आयोजन

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से रामकृष्ण रिपयरटायर कल्चरल एंड सोशल सोसायटी, भोपाल द्वारा आयोजित रामकृष्ण रंगोत्सव 2023-24 का आयोजन मध्य प्रदेश के बाड़ी बरेली नगर में किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय रंगोत्सव 8 जनवरी से 10 जनवरी 2024 तक चलेगा, जिसमें लोक कला, पारंपरिक संगीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों की समृद्ध झलक देखने को मिलेगी।

इस रंगोत्सव का उद्देश्य भारतीय लोक संस्कृति, पारंपरिक कलाओं और रंगमंच को संरक्षण देना तथा नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना है।

रामकृष्ण रिपयरटायर कल्चरल एंड सोशल सोसायटी, भोपाल पिछले कई वर्षों से रंगमंच, संगीत और लोक कलाओं के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही है। संस्था द्वारा आयोजित यह रंगोत्सव न केवल कलाकारों को मंच प्रदान करेगा, बल्कि दर्शकों को भी कला और संस्कृति के विविध रंगों से परिचित कराएगा। आयोजकों के अनुसार, इस महोत्सव में स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ प्रदेश एवं अन्य राज्यों के अनुभवी रंगकर्मी और लोक कलाकार भी भाग लेंगे।

रंगोत्सव के दौरान प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें लोक एवं पारंपरिक प्रस्तुतियाँ एवं नाट्य मंचन किया जाएगा। साथ ही, युवाओं और विद्यार्थियों के लिए यह आयोजन प्रेरणास्रोत बनेगा, जिससे वे रंगमंच और लोक कलाओं के प्रति रुचि विकसित कर सकें।

रामकृष्ण रंगोत्सव 2023-24 बाड़ी बरेली के सांस्कृतिक परिदृश्य को एक नई पहचान देगा और क्षेत्र में कला-संस्कृति के प्रचार-प्रसार को मजबूती प्रदान करेगा।

यामिनी कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी भोपाल का 3 दिवसीय नाट्य समारोह

' मुंशी प्रेमचंद का नाट्य संसार '

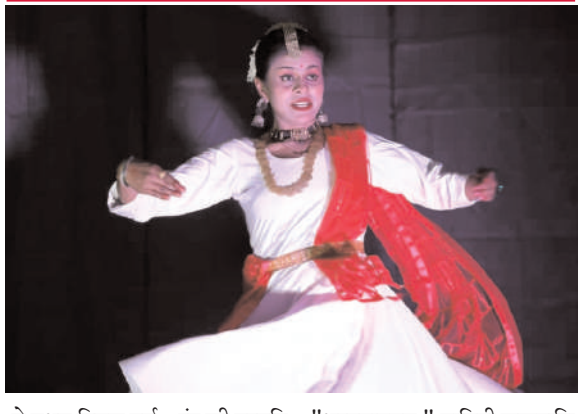

मे प्रथम दिवस पूर्व - रंग की प्रस्तुति - "भरतनाट्यम " यामिनी चक्रपाणि द्वारा एवं द्वितीय दिवस पूर्व - रंग की प्रस्तुति "यामिनी कल्चरल ÷के कलाकारों द्वारा "गायन तृतीय दिवस पूर्व - रंग " कत्थक नृत्य" यामिनी चक्रपाणि द्वारा किया गया

समाधान योजना के प्रथम चरण की अवधि में एक माह का विस्तार

अब 31 जनवरी 2026 तक मिलेगा सौ फीसदी तक सरचार्ज में छूट का लाभ

रायसेन।

मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के प्रथम चरण की अवधि एक माह और बढ़ा दी गई है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि बकायादार उपभोक्ताओं की सतत भागीदारी और उनके उत्साह को देखते हुए योजना के प्रथम चरण की अवधि अब 31 जनवरी 2026 कर दी गई है। पिछले साल 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 में शामिल होकर लाखों बकायादार उपभोक्ताओं ने सौ फीसदी तक छूट का लाभ लिया। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने अपील की है कि तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ता योजना के प्रथम चरण में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 100 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं। यह योजना उन बकायादार उपभोक्ताओं के लिए वरदान बनी है जो सरचार्ज के कारण मूलधन राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें समाधान योजना के प्रथम चरण में सरचार्ज में 60 से लेकर 100 प्रतिशत तक छूट के साथ एकमुश्त अथवा किस्तों में भुगतान करने का विकल्प मिल रहा है। समाधान योजना 2025-26 - एक नजर में समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। इस योजना में उपभोक्ता को प्रथम चरण में एकमुश्त भुगतान करने पर सबसे अधिक लाभ हो रहा है जबकि द्वितीय चरण के दौरान छूट का प्रतिशत क्रमशः कुछ कम हो जाएगा। यह योजना दो चरणों में प्रारंभ होकर प्रथम चरण की शुरुआत 3 नवंबर 2025 से हुई जो कि 31 जनवरी 2026 तक चलेगी।

अजाक्स प्रांताध्यक्ष आदिवासी आई.ए.एस. संतोष वर्मा : सदियों की पीड़ा सवालों में-एक अधिकारी, एक कथन और सामाजिक वर्ण व्यवस्था

लेखिका: कु.प्रियंका जाटव

लोकतंत्र की आत्मा न्याय, समानता और विधि के शासन पर टिकी होती है। जब कोई व्यक्ति कानून की पूरी प्रक्रिया से गुजरकर दोषमुक्त घोषित हो जाता है, तब भी बार-बार संदेह और आरोपों के घेरे में खड़ा करना केवल उस व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं, बल्कि पूरी न्यायिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। आई.ए.एस. अधिकारी श्री संतोष वर्मा का प्रकरण इस असहज सच्चाई को उजागर करता है। यह मामला किसी एक अधिकारी का नहीं, बल्कि उस मानसिकता का दर्पण है जो दलित-आदिवासी समाज से आए व्यक्ति को सहज रूप से स्वीकार नहीं कर पाती। दोषमुक्त होने के बाद भी बार-बार सफाई माँगना, न्याय नहीं बल्कि पूर्वाग्रह का विस्तार है। आज आई.ए.एस. अधिकारी श्री संतोष वर्मा का प्रकरण इसी असहज सच्चाई को उजागर करता है, जहाँ तथ्यों, जांचों और संवैधानिक सिद्धांतों के आधार पर दोषमुक्त होने के बाद भी उन्हें लगातार अपमान, अविश्वास और सार्वजनिक बहस का पात्र बनाया जा रहा है। कानून का मूल सिद्धांत स्पष्ट है कि जब तक दोष सिद्ध न हो, व्यक्ति निर्दोष माना जाता है, किंतु व्यवहार में दलित और आदिवासी पृष्ठभूमि से आए अधिकारियों के लिए यह सिद्धांत अक्सर कागज़ों तक सीमित रह जाता है। दोषमुक्त होने के बाद भी सफाई माँगना, बार-बार कटघरे में खड़ा करना, वास्तविक न्याय नहीं हो सकता। न्यायिक और प्रशासनिक जांच प्रक्रियाएँ इसलिए नहीं होतीं कि उनके निष्कर्षों को सुविधानुसार नकार दिया जाए। वे इसलिए होती हैं ताकि सत्य और असत्य के बीच स्पष्ट रेखा खींची जा सके। यदि इन प्रक्रियाओं पर ही विश्वास न रहे, तो फिर अदालत, कानूनी नियम और लोकतंत्र सब खोखले प्रतीत होते हैं। किसी अधिकारी को बार-बार स्वयं को साबित करने के लिए विवश करना मानसिक, सामाजिक और पेशेवर उत्पीड़न के अतिरिक्त कुछ नहीं है आज का समय और भी चिंताजनक इसलिए है क्योंकि तथ्यों से पहले शोर और न्याय से पहले फैसला सुनाने की प्रवृत्ति हावी हो चुकी है। मीडिया और सोशल मीडिया की त्वरित अदालतें व्यक्ति के वर्षों के संघर्ष, सेवा और ईमानदारी को कुछ क्षणों के विवाद में समेट देती हैं। न्याय का अर्थ केवल दंड देना नहीं, बल्कि निर्दोष की प्रतिष्ठा की रक्षा करना भी है। जब यह संतुलन टूटता है, तब लोकतंत्र की आत्मा घायल होती है।

इसी क्रम में वर्तमान में आदिवासी आई.ए.एस. श्री संतोष वर्मा के कुछ शब्दों को लेकर जो विवाद खड़ा किया गया है, वह भी इसी असंतुलित दृष्टि का परिणाम है कुछ घृणित मानसिकता रखने वालों ने उनके शब्दों को गलत तरीके से परिभाषित किया। एक कथन को उनके पूरे सामाजिक संदर्भ, अनुभव और पीड़ा से अलग कर प्रस्तुत

किया गया। किसी भी जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति से संयम की अपेक्षा स्वाभाविक है, किंतु यह भी सत्य है कि वर्षों की उपेक्षा, असमानता और संघर्ष से उपजी पीड़ा कभी-कभी शब्दों में तीखापन ले आती है। उस पीड़ा को समझने के बजाय यदि पूरे व्यक्तित्व को ही अपराधी ठहरा दिया जाए, तो यह न्याय नहीं, बल्कि संवेदनहीनता का प्रमाण बन जाता है।

आज संतोष वर्मा केवल एक आई.ए.एस. अधिकारी नहीं बल्कि वे उस पूरे दलित-आदिवासी समाज का प्रतीक हैं, जिसने सदियों तक अपमान सहा, अवसरों से वंचित रहा और फिर भी शिक्षा, संघर्ष और आत्मसम्मान के बल पर व्यवस्था के द्वार तक पहुँचा। जब कोई दलित या आदिवासी अधिकारी शीर्ष तक पहुँचता है, तो वह अकेला नहीं पहुँचता...वह अपने साथ अपने समाज की उम्मीदें, सपने और स्वाभिमान लेकर पहुँचता है। और जब उसी अधिकारी को बार-बार संदेह और अपमान के बीच खड़ा किया जाता है, तो चोट केवल व्यक्ति को नहीं लगती,वह हर उस युवा छात्र के सपनों को छलनी करती है, जो आज भी हाशिये से आगे देखने का और बढने का साहस कर रहा है।

समर्थन किसी व्यक्ति को निर्विवाद सिद्ध करने का प्रयास नहीं होता। समर्थन उस सामाजिक न्याय की मशाल को थामे रखने का नाम है, जिसे दलित-आदिवासी समाज ने अपने संघर्ष और बलिदान से जलाए रखा है। किसी एक वाक्य को हथियार बनाकर उस पूरे जीवन पर वार कर देना, जो पीढ़ियों की बेड़ियाँ तोड़कर यहाँ तक पहुँचा हो, केवल अन्याय ही नहीं बल्कि यह उस समाज की आत्मा पर प्रहार है। ऐसे समय में मौन रहना तटस्थता नहीं, बल्कि अन्याय की स्वीकृति होता है।

दलित आदिवासी आई.ए.एस. संतोष वर्मा के साथ खड़ा होना किसी एक नाम का समर्थन नहीं, बल्कि उस विचार का समर्थन है कि न्याय को जाति, पहचान और पूर्वाग्रह से ऊपर रखा जाए। समर्थन में खड़ा होना उस लोकतंत्र को बचाने की कोशिश है, जो बिना दलित-आदिवासी सम्मान के केवल एक खोखला ढाँचा बनकर रह जाएगा।

श्री संतोष वर्मा के समर्थन का अर्थ किसी व्यक्ति विशेष का पक्ष लेना नहीं, बल्कि संविधान, कानून और समानता के मूल सिद्धांतों के साथ खड़ा होना है। यह समर्थन उस सोच के विरुद्ध है जो जाति, पृष्ठभूमि या पहचान के आधार पर संदेह को जन्म देती है। न्याय तभी जीवित रह सकता है, जब वह निष्पक्ष हो और उसे बिना भेदभाव स्वीकार किया जाए।

आज आवश्यकता है कि समाज, मीडिया और प्रशासन-तीनों मिलकर यह स्पष्ट संदेश दें कि दोषमुक्त व्यक्ति पर निराधार प्रश्न उठाना स्वीकार्य नहीं है। कानून के निर्णय पर विश्वास रखना ही लोकतंत्र की सच्ची परीक्षा है। यदि हम इस परीक्षा में असफल होते हैं, तो नुकसान केवल एक अधिकारी का नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे का होगा। यह बहस शब्दों की नहीं, बल्कि दलित-आदिवासी स्वाभिमान और लोकतंत्र की आत्मा की परीक्षा है। दोषमुक्त अधिकारी पर निराधार आरोप केवल अन्याय नहीं, बल्कि न्यायिक विश्वास पर तीव्र चोट है। अगर आज एक आदिवासी अधिकारी को शक के कटघरे में खडा कर अपमानित किया जा रहा, तो याद रखा जाए..उसके साथ पूरा दलित-आदिवासी-पिछड़ा समाज खड़ा है, और इस समाज का एकजुट होना ही इतिहास बदलेगा।

ओ हेनरी द्वारा लिखित नाटक आखिरी पत्ता का सफल मंचन

भोपाल

यामिनी कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी÷ का तीन दिवसीय नाट्य समारोह ÷मुंशी प्रेमचंद का नाट्य संसार ÷सोमवार दिनांक - 29/12/2025 को लेखक ओ हेनरी द्वारा लिखित नाटक- ÷आखिरी पत्ता÷ का निर्देशन रवीन्द्र मोरे द्वारा आसरा ऑडिटोरियम वृद्धजन सेवा आश्रम के सभागृह में मंचित किया गया द्य यह कहानी जोन्सि नाम की एक युवा कलाकार की मार्मिक कहानी है सू और ज़ोन्सि दो युवक युवा कलाकार है जो एक अपार्टमेंट में रहती है जोन्सि को निमोनिया हो जाता है और वह पूरी तरह से हिम्मत हार चुकी होती है वह अपने दोस्त सू से कहती है कि जब इन बेल का आखिरी पत्ता गिर जाएगा तो वह भी मर जाएगी उनका पड़ोसी बुढा और असफल कलाकार बेहरमैन ज़ोन्सि की स्थिति से दुखी होता है बहरमेन ठंड और बारिश की रात में दीवार पर एक पत्ता पेंट कर देता है यह पट्टा इतना असली दिखता है की ज़ोन्सि को लगता है कि यह असली है और गिर नहीं रहा आखिरी पत्ता ज़ोन्सि के अंदर जीने की इच्छा जगाता है वह सोचती है कि जब तक यह पत्ता टिका है उसे भी जीना हैद्य और ज़ोन्सि धीरे-धीरे ठीक होने लगती हैद्य कुछ दिनों बाद सू बेहरमैन को बिस्तर पर पाती है जो निमोनिया से पीड़ित

है चौकीदार को उनकी स्टूडियो में एक सीडी लालटेन और पेंट मिला था बेहरमैन रात भर बाहर रहकर पत्ता बना रहे थे द्य बेहरमैन की मृत्यु हो जाती है लेकिन वह एक पत्ता बनाकर जोंसी की जान बचाता हैद्य वह पत्ता उनकी सर्वश्रेष्ठ कृति बन जाती है जो कला के सच्चे अर्थ- दूसरों के लिए नीःस्वार्थ सेवा सेवा को दर्शाता है द्य इस नाटक में अभीनय किया है फरहान बेग, वैशाली लखेरा, अजय पटेल, इकबाल, सीमा जैन,

इस नाटक को दर्शकों ने खूब सराहाँ

कवि -राग तेलंग द्वारा लिखित कविता ÷ऑफ़ द रिकॉर्ड÷ इस कविता का कविता पाठ तरुण श्रृंगार ने किया यह कविता समाज के उसे पक्ष को उजागर करती है जिससे हमेशा अनदेखा किया गया है इस पितृ सत्तामक समाज में स्त्रियों का अस्तित्व कोसा गया है इस कविता में दर्शाया गया है कि कैसे कोई स्त्री अपने परिवार के लिए जीवन लगा देती है और उसे बदले में कुछ मिले इसकी कोई परवाह नहीं होती और यह स्वार्थी समाज उनके इस बलिदान को अपनी चालाकी से कराया गया काम समझता रहा द्य आखिरी पत्ता में अभीनय किया है यामिनी चक्रपाणि, फरहान बेग, वैशाली लखेरा,अजय पटेल, सीमा जैन, इकबाल।

नवीन वर्ष सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता की नई किरण लेकर आए

रायसेन।

कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने नववर्ष 2026 के शुभ अवसर पर जिलेवासियों, अधिकारियों-कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी के स्वास्थ्य, उन्नति और समृद्धि की मंगल कामना करते हुए कहा कि यह नवीन वर्ष नए संकल्पों, नई ऊर्जा और नए अवसरों का प्रतीक है। जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार, अधोसंरचनाएं सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यों में तेजी लाकर जिले की विकास की गति बढ़ाई जाएगी। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर और अधिक सुगमता से आमजन तक पहुंचाया जाएगा।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह नवीन वर्ष सभी के जीवन में जोश, उम्मीद और सफलता की नई किरण लेकर आए। आपके परिवार में भी सुख समृद्धि मिले, सफलता मिले और सभी परिवारजन भी सुखद रहें। इस नववर्ष में अपने दायित्वों, कर्तव्यों के प्रति सदैव सजग रहें तथा और अधिक ऊर्जा के साथ जिले के विकास के लिए कड़ी मेहनत, लगन के साथ कार्य करें।

उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों से कहा कि

सुशासन की दिशा में हमें मिलकर कार्य करना है। आमजन के लिए अपने कार्यालय के अनुभव हम किस प्रकार बेहतर बना सकते हैं, इस दिशा में कार्य करें। सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में हमारी महत्वपूर्ण भूमिका है, योजनाओं के क्रियान्वयन में ध्यान दें। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि समय प्रबंधन बेहतर होगा तो कार्य भी सुगमता से होंगे। अधिकारी, कर्मचारी अपनी डेस्क के कार्यों की प्राथमिकता तय करें और कार्यों को गति दें। कार्यालय में अनुशासन रहे, बैठक व्यवस्था, रिकार्ड संधारण व्यवस्थित हो। सही कार्य को बिना रोके-टोके तत्काल करें। कार्यालय में आने वाले आवेदक का आवेदन किसी और कार्यालय से संबंधित है तो उन्हें उचित सलाह दें तथा आगे बढ़कर उनकी मदद भी करें।

एम.पी. ट्रांसको ने वर्ष 2025 में हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धियां : ऊर्जा मंत्री तोमर

ड्रोन पेट्रोलिंग का 400 व 132 के.व्ही. लाइनों तक विस्तार

भोपाल।

वर्ष 2025 में ऊर्जा क्षेत्र में एम.पी. पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की है। एम.पी. ट्रांसको ने कैलेंडर वर्ष 2025 में प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क (पारेषण प्रणाली) के अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, विस्तारीकरण एवं विश्वसनीयता में महत्वपूर्ण कार्य किया है। विशेष रूप से 220 के.व्ही. ट्रांसमिशन लाइनों की ड्रोन पेट्रोलिंग में मिली सफलता के बाद अब प्रदेश में 400 के.व्ही. एवं 132 के.व्ही. के 23000 ट्रांसमिशन टावरों की ड्रोन पेट्रोलिंग भी की जा रही है। मध्यप्रदेश देश के उन राज्यों में अग्रणी है जो ट्रांसमिशन टावरों की पेट्रोलिंग ड्रोन के माध्यम से प्रारंभ करा रहे हैं।

ट्रांसफार्मेशन केपेसिटी हुई 82985 एम.व्ही.ए.: मध्यप्रदेश में इस वर्ष एम.पी. ट्रांसको ने अपने नेटवर्क में 2211 एम.व्ही.ए. क्षमता की अतिरिक्त वृद्धि की, जिससे प्रदेश में कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 82985 एम.व्ही.ए. की हो गई है। इस वर्ष 33 नये पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किये गये, जिससे एम.पी. ट्रांसको के ऊर्जीकृत पावर ट्रांसफार्मर की संख्या बढकर 1036 हो गई है।

724 सर्किट कि.मी. ट्रांसमिशन लाइनों का हुआ निर्माण: इस वर्ष कंपनी ट्रांसमिशन लाइनों की लंबाई बढ़कर 42857 सर्किट कि.मी. की हो गई है, जो प्रदेश के 417 अति उच्चदाब सबस्टेशनों में विद्युत पारेषण करती है। इस वर्ष प्रदेश में 724 सर्किट कि.मी. ट्रांसमिशन लाइनों का निर्माण कर ऊर्जीकृत किया गया।

पहली बार 19849 मेगावाट की डिमांड को किया हैंडल एम.पी. ट्रांसको के सिस्टम ने प्रदेश में पहली बार 19849 मेगावाट विद्युत डिमांड बिना किसी व्यवधान के हैंडल करने में सफलता प्राप्त की। वर्ष के अंतिम दिन 31 दिसम्बर 2025 को प्रदेश में आज तक की अधिकतम 19849 मेगावाट डिमांड दर्ज की गई।

ट्रांसमिशन सिस्टम में नई टेक्नोलॉजी का हुआ समावेश: एम.पी. पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने प्रदेश के अपने ट्रांसमिशन सिस्टम में नई तकनीकों का समावेश किया है। मुख्यालय जबलपुर में स्वदेशी तकनीक से निर्मित स्काडा सिस्टम को अपग्रेड किया गया है। इसके अलावा मेट्रो इंदौर के लिये कम्पोजिट ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण भी किया गया है। प्रदेश के पुराने तीन 132 के.व्ही. सबस्टेशन को रिमोट से संचालित करने के कार्य का पहला चरण पूरा कर लिया गया है।

मध्यप्रदेश को मिला प्रतिष्ठित राष्ट्रीय 'पावर लाइन ट्रांसटेक इंडिया अवॉर्ड'

दिसम्बर माह में मध्यप्रदेश ने विद्युत ट्रांसमिशन के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। एम.पी. ट्रांसको को वेस्टर्न रीजन में सबसे कम ट्रांसमिशन लॉस दर्ज करने के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय 'पावर लाइन ट्रांसटेक इंडिया अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। प्रोटेक्शन सेल हुआ 100 प्रतिशत डिजीटल भारत सरकार के डिजीटल इंडिया विजन के तहत कंपनी के प्रोटेक्शन सेल ने इस वर्ष पूरी तरह डिजीटल स्वरूप ले लिया है, प्रदेश में 42857 सर्किट कि.मी. ट्रांसमिशन लाइनों, 417 एक्स्ट्रा हाईटेंशन सबस्टेशन के 1000 से अधिक पावर ट्रांसफार्मर की हर पल निगरानी एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले प्रोटेक्शन सेल का समूचा कार्य पूर्णतः डिजीटल हो रहा है।

मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित नाटक नमक का दरोगा एवं बुढ़ी काकी का मंचन यामिनी कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संस्कृति संचालणालय के द्वारा सफल मंचन

भोपाल।

आसरा ऑडिटोरियम वृद्धजन आश्रम के सभागृह में रविवार दिनांक- 28 /12/ 2025 को रविंद्र मोरे के निर्देशन में लेखक मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित नाटक नमक का दरोगा एवं बुढ़ी काकी का मंचन यामिनी कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संस्कृति संचालणालय के सहयोग से किया गया नाटक में एक ईमानदार दरोगा मुंशी वंशीधर की कहानी है जो भ्रष्ट व्यवस्था में अपने कर्तव्य निष्ठा और ईमानदारी के दम पर एक बड़े व्यापारी पंडित अलोपीदीन को चुनौती देता है नौकरी गवाता हैं द्य लेकिन अंतत उसकी इमानदारी से प्रभावित होकर आलोदिन उसे अपनी पूरी जायदाद का मैनेजर नियुक्त कर देता हैद्य जिससे यह कहानी सत्य निष्ठा एवं धर्म परायणता की जीत दर्शाती है कहानी ब्रिटिश काल की है जब नमक पर टैक्स लगने के कारण नमक के विभाग में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी आम थी और लोग इस पद को पाने के लिए ललैट रहते थे द्य वंशीधर अपनी ईमानदारी पर अडिग रहने से प्रभावित होकर अलोपीदीन बंशीधर के घर जाते हैं और उन्हें नियुक्त करते हैं क्योंकि उन्हें धर्मनिष्ठ और ईमानदार व्यक्ति की तलाश थी ना कि विद्वान की नाटक में वैशाली लखेरा, तरुण,फरहान बेग, अजय पटेल, सीमा जैन, इन कलाकारों ने अभिनय किया जो सराहनीय रहा द्य

÷ बुढ़ी काकी÷ मुंशी प्रेमचंद की मार्मिक कहानी है जो परिवार में बुजुर्गों की अपेक्षा उनकी लाचारी और भूख की त्रासदी को दर्शाती है द्य जहां पर परिवार के लोग संपत्ति के लालच में काकी से बुरा बर्ताव करते हैं पर अंत में बुधीराम की बेटी लाडली की करुणा से काकी को सम्मान मिलता है और परिवार को अपनी गलती का एहसास होता है जिससे हमें बुजुर्ग का सम्मान करने और उनकी सेवा करने की सीख मिलती है द्यबुढ़ी काकी एक वृद्ध महिला है जो अपनी सारी संपत्ति अपने भतीजे बुद्धि राम को दे चुकी है यह सोचकर कि उनकी सेवा करेगा लाडली की करुणा और अन्य ग्रामीणों की प्रतिक्रिया से बुधीराम और रूपा को अपनी गलती का एहसास होता है रूपा काकी के लिए स्वादिष्ट भोजन लाती है और उनसे माफी मांगती है ताकि खाना प्रकार सब भूल जाती है और प्रेम से भोजन करती है इससे परिवार को सच्ची सेवा और प्रेम का महत्व समझ आता है यह कहानी बुजुर्गों की प्रति परिवार के सदस्यों के कर्तव्य और उनकी संवेदनशीलता को दर्शाती है ।

नाटक में अभिनय किया है यामिनी चक्रपाणि, अदा सिंह, फरहान बेग, सीमा जैन, अजय पटेल, फिजा खान, तरुण सिंगारे इक़बाल, वैशाली लखेरा

बड़े भाई की जिम्मेदारी छोटे भाई के प्रति नाटक का नायक इम्मानदार और संवेदनशील लेखक नाटक का मंचन

भोपाल।

"यामिनी कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी" का तीन दिवसीय नाट्य समारोह "मुंशी प्रेमचंद का नाट्य संसार " मंगलवार दिनांक - 30/12/2025 को लेखक मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित नाटक- " लेखक " एवं ÷बड़े भाई साहब"का निर्देशन - रवीन्द्र मोरे द्वारा आसरा ऑडिटोरियम वृद्धजन सेवा आश्रम के सभागृह में नाटक का मंचन किया गया । यह कहानी नाटक - "लेखक "में प्रेमचंद ने उसे लेखक की दयनीय स्थिति का यथार्थ चित्रण किया है, जो समाज के लिए लिखता है, पर स्वयं अभाव में जीता हैद्य नाटक का नायक ईमानदार और संवेदनशील लेखक है जो साहित्य को जीवित नहीं बल्कि समाज सेवा का माध्यम मानता है द्य वह सत्य, नैतिकता और जनहित के पक्ष में लिखता है, किंतु उसकी रचनाएं ना तो पर्याप्त प्रसिद्ध पाती हैं और नहीं आर्थिक सुरक्षा देती है । लेखक गरीब पारिवारिक जिम्मेदारियां और सामाजिक उपेक्षा से जूझता हैद्य प्रकाशक और संपादक उसकी मेहनत का उचित मूल्य नहीं देते, जबकि समाज मनोरंजन परक और हल्के साहित्य को अधिक महत्व देता है द्य परिणाम स्वरूप लेखक मानसिक द्वंद में फस जाता है - क्या वहआदर्शों से समझौता करें या अभाव में भी सच्चे साहित्य का मार्ग अपने नाटक यह संदेश देता हैद्य कि सच्चा लेखक प्रलोभनों और कठिनाइयों के बावजूद अपने नैतिक दायित्व से पीछे नहीं हटता । प्रेमचंद ने इस कहानी के माध्यम से साहित्य और समाज के संबंध लेखक की सामाजिक जिम्मेदारी तथा उसकी अपेक्षित स्थिति पर गहरी टिप्पणी की है ।

"बड़े भाई साहब " मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित कहानी बड़े भाई साहब दो भाइयों के इर्द-गिर्द घूमती है एक बड़ा भाई जो कक्षा में फेल हो जाता है पर अनुभव में बड़ा और एक छोटा भाई जो पढ़ाई में तेज है पर खेलकूद में मन लगता है द्य बड़ा भाई उम्र में बड़ा होने के कारण छोटे भाई पर रौब जमाता है और उसे डांटता है ताकि वह पढ़ाई पर ध्यान दें वह अपनी जिम्मेदारियां को समझता है और अपने बचपन को छोटे भाई के लिए कुर्बान करता है द्य छोटा भाई बड़े भाई के रौब से परेशान रहता है जब बड़ा भाई फेल हो जाता है और छोटा भाई पास तो उसे अपने लघुता (हीनता) का एहसास होता है और वह बड़े भाई के प्रति श्रद्धा महसूस करता है द्य बड़े भाई साहब मुंशी प्रेमचंद की एक शिक्षाप्रद कहानी है जो बड़े भाई जिम्मेदार है और छोटे भाई शरारती पर होशियार है उम्र के अंतर से आने वाले रौब और कर्तव्य बोध के मनोवैज्ञानिक पहलुओं को दर्शाती है जिसमें बड़े भाई अपने छोटे भाई की उज्जवल भविष्य के लिए अपनी इच्छाओं को त्याग करते हैं और यह कहानी बताती है जीवन की पाठशाला का ज्ञान से किताबी ज्ञान से बढ़कर है और रिश्तो में अहंकार से बचना चाहिए जिससे भाईचारे त्याग और जिम्मेदारी का महत्व समझाया गया है ।

वॉन का कलेक्शन

मशहूर मॉडल ड्रीस वॉन नोटेन ने डिजाइनर के बिना खुद के लिए अधोवस्त्र, स्लिप-ऑन ड्रेस और बरमूडा शॉर्ट्स का एक उत्कृष्ट संग्रह तैयार किया। लंदन फैशन वीक में अपने कलेक्शन की नुमाइश के दौरान वॉन ने अपनी ड्रेस को कढ़ाई, सर्पधारी प्रिंट, धारियों और चमकीले रंगों के साथ फिर से व्याख्यायित किया। इसे फैशन प्रेमियों ने खूब पसंद किया।

स्टाइलिश दिखने के लिए मफलर का इस्तेमाल इस तरह से करें

सर्दी के मौसम में मफलर पहनने का ट्रेंड काफी पुराना है। मफलर आपको स्टाइलिश बनाने के साथ गर्मी देने का भी काम करता है। इसलिए अधिकतर लोग विंटर सीजन में मफलर को पहनना पसंद करते हैं। या यूं कहें कि मफलर के बिना विंटर वार्डरोब पूरा नहीं हो सकता है।

और हो न हो, शायद आप भी मफलर के शौकीन हैं! जैकेट, ब्लेजर, स्वेटर आदि विंटर टॉप वियर्स के साथ मफलर को लोग कैरी करते हैं। कई लोग इसे गले में लटका लेते हैं तो कई लोग गले में लपेट लेते हैं और कई लड़के मफलर को सिर पर बांधे दिखाई देते हैं। मगर सबसे पहले हमें मफलर को सही तरीके से पहनना मालूम होना चाहिए।

जैकेट्स: विंटर जैकेट्स सर्दी के मौसम में अधिकतर लड़के पहनते हैं। मगर इसके साथ मफलर को पहनने का तरीका बहुत कम लोगों को पता है। इसी वजह से वे लोग मफलर पहनने के बाद अच्छे नहीं दिखते हैं। इसलिए जैकेट्स और मफलर को सही तरीके से पहनना जान लें।

पहला तरीका: विंटर जैकेट्स के साथ मफलर को पहनने का सही तरीका है- उसको गले में लटका लें। दोनों ओर से बराबर रूप से मफलर के दोनों सिरे लटके हुए होने चाहिए। यहां पर एक बार ध्यान रखें कि मफलर की लेंथ जैकेट्स की लेंथ से बड़ी नहीं होनी चाहिए।

दूसरा तरीका: इसके अलावा मफलर को दोहरा करके अपनी गर्दन के दोनों तरफ डालें। मफलर के खुले छोर वाले हिस्से को दूसरी तरफ वाला फंदा बने हिस्से में डालकर हल्का सा कस लें। इस स्टाइल में खूबसूरत दिखेंगे और ये सबसे आसान तरीका होता है।

स्वेटर्स : स्वेटर्स और मफलर का कॉम्बिनेशन सबसे पुराना है। ये दोनों लंबे समय से एक दूसरे के साथ ही रह रहे हैं। मगर इसके साथ ही मफलर पहनते वक्त कई पुरुष गलतियां कर देते हैं। लेकिन अब से आप मफलर को स्वेटर के साथ सही तरीके से पहन सकते हैं।

हला तरीका: स्वेटर के साथ मफलर को कभी भी खोलकर न पहनें। ये विंटर लुक को बिगाड़ने का काम करता है। स्वेटर के साथ मफलर की परफेक्ट मैचिंग तभी होगी जब आप मफलर को दोहरा करके अपनी गर्दन के दोनों तरफ डालें। उसके बाद मफलर के खुले छोर वाले हिस्से को दूसरी तरफ वाला फंदा बने हिस्से में डालकर हल्का सा टाइट कर लेंगे।

बनारसी साड़ी से खिल उठता है रूप इसका जतन करने जानें जरूरी टिप्स

बनारसी साड़ी में किसी भी महिला का लुक क्लासी और रॉयल लगता है लेकिन अधिकतर महिलाएं चाह कर भी बनारसी साड़ी ज्यादा नहीं पहन पातीं। इसकी वजह होती है महंगी बनारसी साड़ियों के खराब होने का डर होना। ऐसे में अगर आपके पास भी बनारसी साड़ी हैं तो उसके रखरखाव और साफ करने के तरीकों के बारे में जरूर जान लें।

बनारसी साड़ी धोते समय इन बातों का रखें ध्यान

बनारसी साड़ी को साफ करते समय छोटी सी गलती से भी आपकी साड़ी खराब हो सकती है। अपनी बनारसी साड़ी को सालों तक नई जैसी रखने के लिए इन बातों को ध्यान रखें।

बनारसी साड़ी धोने का तरीका

बनारसी साड़ी को वैसे तो ड्राई क्लीन करवाया जाता है, लेकिन अगर आप घर पर ही बनारसी साड़ी धो रही हैं तो हल्के साबुन या डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। हार्ड साबुन से आपकी बनारसी साड़ी का कपड़ा खराब हो जाता है। हल्के साबुन का घोल बनाकर उससे साड़ी को धोना चाहिए।

साड़ी धोने के लिए इस्तेमाल करें ठंडा पानी

बनारसी साड़ी को धोने के लिए हमेशा ठंडे पानी का उपयोग करें। गर्म पानी से साड़ी का कपड़ा खराब हो सकता है। ठंडे पानी से बनारसी साड़ी धोने से उसका रंग भी नहीं उतरता है और कपड़ा साफ भी हो जाता है।

बनारसी साड़ी पर लगे दाग हटाने का तरीका

अगर आपकी बनारसी साड़ी में कोई दाग लग गया है तो उसे हटाने के लिए कभी भी हार्ड वॉशिंग पाउडर या प्रोटीन स्टेम रिमूवर का इस्तेमाल न करें। न ही डिटर्जेंट में साड़ी को भिगोकर रखें। ऐसा करने से भले ही साड़ी का दाग साफ हो जाए, लेकिन साड़ी का रंग भी फेड हो जाता है। दाग निकालने के लिए प्रोटीन स्टेन रिमूवर को केवल दाग वाली जगह पर डालें और साफ कर लें।

साड़ी को रगड़ कर न धोएं

अक्सर महिलाएं बनारसी साड़ी को अन्य कपड़ों की तरह ही ब्रश से रगड़ कर धो देती हैं। हालांकि बनारसी साड़ी को साफ करने के लिए ब्रश का इस्तेमाल कभी न करें। इससे साड़ी फट सकती है।

2026 में ब्लॉकबस्टर धमाका करेंगे अक्षय कुमार, फिर होगा भूल भुलैया जैसा जादू

नई दिल्ली। बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार के लिए साल 2025 भले ही मिला-जुला रहा हो लेकिन अब साल 2026 में अक्षय ने धमाकेदार वापसी का पूरा मन बना लिया है। अक्की की ब्लॉकबस्टर फिल्मों की फेहरिस्त यूं तो लंबी है लेकिन अब खिलाड़ी कुमार के पास एक ऐसी फिल्म है, जिसके हिट होने की गारंटी अभी से मानी जा रही है और बड़ी बात ये है कि अक्षय की ये फिल्म उसी फ्लेवर की है, जिसके लिए वो दर्शकों के फेवरेट हैं।

नई फिल्म की तैयारी में जुटे अक्षय

दरअसल अक्षय कुमार नए साल पर अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग 15 जनवरी से शुरू होने जा रही है। ये वही फिल्म है जिसमें अक्षय कुमार अपनी पुरानी को-स्टार विद्या बालन के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए दिखेंगे।

बड़ी बात ये है कि अक्षय और विद्या सालों बाद एक दूसरे के साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं, ऐसे में फैंस काफी एक्साइटेड हैं। वहीं फिल्म के लिए डायरेक्टर भी मिल गया, जो इस फिल्म को डायरेक्ट करेंगे।

इस डायरेक्टर से अक्षय ने मिलाया हाथ

अक्षय की इस फिल्म को कोई और नहीं

बल्कि अनीस बज्मी डायरेक्ट करने जा रहे हैं। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अनीज बज्मी चाहते हैं कि वो विद्या और अक्षय की कॉमिक टाइमिंग को पर्दे पर अच्छे से भुना पाएं, इसके लिए उन्होंने सारी तैयारी की है।

सब जानते हैं कि अक्षय की कॉमिक टाइमिंग कितनी कमाल की है। वहीं विद्या बालन भी कई फिल्मों में अपना फनी साइड दिखा चुकी हैं। फिलहाल तो अक्षय और विद्या की इस फिल्म को अब अनीस बज्मी डायरेक्ट करने जा रहे हैं। अनीस बज्मी बॉलीवुड के वो डायरेक्टर हैं, जिन्होंने कॉमेडी फिल्मों को नई पहचान दी है।

साथ ही उनकी फिल्में खूब हिट भी हुई हैं, फिर चाहे वो भूल भुलैया हो या फिर नो एंट्री से लेकर रेडी और वेलकम जैसी ही फिल्में क्यों ना हों। वहीं अक्षय के साथ भी कई फिल्मों में अनीस बज्मी काम कर चुके हैं। अब देखना ये है कि ये जोड़ी इस बार क्या धमाल मचाएगी।

मुख्य सचिव श्री जैन ने किया विभागीय कार्ययोजना और लक्ष्यों पर विमर्श

'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूईंग बिजनेस' से प्रदेश को अग्रणी बनाएं : मुख्य सचिव श्री जैन

विकसित भारत 2047 के दृष्टिगत नई ऊर्जा से कार्य करने की अपेक्षा

भोपाल । मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से अपेक्षा की है कि वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार 'विजन 2047 विकसित भारत' में मध्यप्रदेश के योगदान के दृष्टिगत कार्य-योजना बनाकर योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने 'ईज आफॅ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के सूत्र को अपनाते हुए आम आदमी के जीवन तथा रोजगार व्यवसाय को आसान, सुगम और सरल बनाने के लिए नियम कानून में आवश्यक सुधार और बदलाव करने के लिए कहा है। मुख्य सचिव श्री जैन वर्ष 2026 के पहले दिन गुरूवार को मंत्रालय वल्लभ भवन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभागीय लक्ष्यों के निर्धारण एवं कार्ययोजना पर हुई बैठक में विचार-विमर्श कर रहे थे। इस अवसर अधिकारियों ने नव-वर्ष पर मुख्य सचिव श्री जैन और पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना को पुष्प-गुच्छ भेंट कर शुभकानाएं दी। मुख्य सचिव ने भी सभी अधिकारियों को नव-वर्ष पर शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए नई ऊर्जा से काम करने के लिए कहा।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के आगामी तीन माह के निर्धारित लक्ष्यों को समय अवधि में पूरा करें और आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मिशन मोड में कार्य योजना तैयार करें। उन्होंने कहा कि अगले तीन साल यानि 2028 तक केलिए अब रोलिंग बजट होगा और सभी विभाग से अपेक्षा की जाती है कि वे अगले तीन वर्षों के लिए राज्य सरकार के गरीब, अन्नदाता, युवा और नारी सशक्तिकरण के विजन को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना तैयार करेंगे और उस पर अमल करेंगे।

अग्रणी पाँच राज्यों में मध्यप्रदेश शामिल

मुख्य सचिव श्री जैन ने अधिकारियों को इस बात के लिए धन्यवाद दिया कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई मुख्य सचिव कॉन्फ्रेंस में मध्यप्रदेश अग्रणी श्रेष्ठ पाँच राज्यों की श्रेणी में शामिल हुआ है। उन्होंने पिछली सप्ताह हुई कॉन्फ्रेंस की प्रमुख बातों की जानकारी देते हुए मानव संसाधन का विकसित भारत से सरोकार के नेशनल एजेंडा पर मध्यप्रदेश राज्य को भी कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने कॉन्फ्रेंस में निर्धारित किए गए एजेंडा बिंदुओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशानुसार आम आदमी का जीवन और रोजगार व्यवसाय को सुगम बनाने के लिए 1947 और 1950 के पूर्व के नियम कानूनों का रिव्यू किया जाये और उन्हें आम आदमी की सुगमता के दृष्टिगत रि-डिजाइन किया जाये।

बडे प्रोजेक्ट की नियमित समीक्षा हो

मुख्य सचिव श्री जैन ने मध्यप्रदेश को विकसित राज्य बनाने के लिए चल रहे बड़े प्रोजेक्ट और आगामी परियोजनाओं के लिए समय अवधि को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट समय अवधि में पूरे होने के लिए प्रोजेक्ट टाइम मेनेजमेंट प्लान पर अमल किया जाये। आवश्यकता अनुसार साप्ताहिक, मासिक, त्रैमासिक और जरूरत पडने पर प्रति-दिन समीक्षा की जाये। कार्यरत एजेंसी के साथ अधिकारियों के लिए लक्ष्य निर्धारित किये जाये। उन्होंने अन्य विभागों के साथ समन्वय आदि में आने वाली कठिनाइयों के निराकरण के लिए उनके संज्ञान में जानकारी लाने के लिए कहा है।

घटनाओं से सीख लेकर स्थायी समाधान खोजें

मुख्य सचिव श्री जैन ने इंदौर में हुई घटना पर दुख व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाये कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस तरह की घटनाओं की जानकारी मिलते ही संबंधित विभाग सक्रिय होकर राहत और बचाव कार्य अभिलंब शुरू करें। आम आदमी को कैसे तुरंत राहत प्रदान की जा सकती है इस पर कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिए है कि इस तरह की घटनाओं का समग्र परीक्षण और अध्ययन करें तथा ऐसी घटनाओं को भविष्य में होने से रोकने के लिए स्थानीय समाधान खोजें।

एम.पी.ई सेवा ऐप को प्रभावी बनाए

मुख्य सचिव श्री जैन ने सभी विभागों से कहा है कि वे प्रदेश में आमजन की बेहतरी के लिए योजनाओं के दृष्टिगत नवम्बर माह में शुरू किये गए एम.पी.ई सेवा ऐप को और भी जनहित कारी बनाने के लिए समन्वय करें। बैठक में बताया गया कि विभिन्न विभागों की अब तक इस ऐप पर 500 से अधिक सेवाएं उपलब्ध है। जनवरी माह तक नागरिकों से जुड़ी 1200 और मार्च अंत तक 1800 सेवाएं इस ऐप के माध्यम से आमजनों को दिये जाने का प्लान है।

अच्छे कार्यों को अपनाएं

मुख्य सचिव श्री जैन ने सभी विभागों को निर्देश दिये कि वे अन्य राज्यों में चल रही अच्छी योजनाओं और कार्यक्रमों का भी अध्ययन करें और उन्हें मध्यप्रदेश में भी लागू करने का प्रयास करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से सतत् संवाद रखें और आवश्यक होने पर उनके संज्ञान में लाने वाले विषय भी सूचित करें। उन्होंने मंत्रीगणों, केंद्र सरकार के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा अधिकारियों और कर्मचारियों के संगठनों आदि के पदाधिकारियों के पत्रों और बिंदुओं का समय से जबाव दें। उन्होंने सी.एम हेल्पलाइन के प्रकरणों को समय से निराकृत करने के निर्देश दिये। साथ ही विभागों की सकारात्मक योजनाओं और कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए भी कहा है।

बैठक में बताया गया कि जलसंसाधन विभाग द्वारा नदी जोड़ो परियोजनाओं के तीव्र क्रियान्वयन पर फोकस है और 10 लाख हेक्यटेयर कृषि भूमि में अतिरिक्त सिंचाई किये जाने की योजनाओं पर कार्य किया जाना है। राज्यस्तरीय विभागीय भवनों के अलावा जिले के शासकीय भवनों पर सोलर पैनल लगाने के कार्य को अभियान के रूप में लिया गया है। बैठक को डीजीपी श्री मकवाना ने भी संबोधित किया। उन्होंने मध्यप्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा दिये गए सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

बैठक में विभिन्न विभगों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, और विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

ट्रांसपोर्ट नगर, समरधा-चिनार कॉलोनी में बिजली कटौती भोपाल के 25 इलाकों में असर

राधापुरम-कृष्णापुरम में भी सप्लाई नहीं

भोपाल । भोपाल के करीब 25 इलाकों में शुक्रवार को 6 से साढ़े 7 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा। जिन इलाकों में बिजली बंद रहेगी, उनमें ट्रांसपोर्ट नगर, समरधा, चिनार कॉलोनी, राधापुरम, कृष्णापुरम कॉलोनी समेत कई बड़े इलाके भी शामिल हैं। ऐसे में बिजली संबंधित जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि परेशानी का सामना न करना पड़े।

इन इलाकों में पड़ेगा असर सुबह 9.30 से शाम 5 बजे तक चिनार ड्रीम सिटी, चिनार कॉलोनी, समरधा, ट्रांसपोर्ट नगर, राधापुरम, कृष्णापुरम, शिवालय परिसर, अनुजा विलेज, ओप्टेल कुंज एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक लीली विला, शिवालय कॉम्पलेक्स, चिंता कॉलोनी, एलआईजी बीडीए एवं आसपास। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बीडीए कॉलोनी सी-डी सेक्टर कटारा, सिल्वर स्टेट वाटिका, स्प्रिंग वैली डॉव, स्प्रिंग वैली कॉलोनी, प्राइड सिटी कॉलोनी, गोल्डन सागर पॉम एवं आसपास।

विजयवर्गीय के बंगले के बाहर महिला कांग्रेस ने घंटियां बजाईं: दूषित पानी से मौत के मामले में 'घंटा' वाले बयान के विरोध में मंत्री की फोटो पर मारे जूते

भोपाल । मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों और बीमार लोगों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में दिए गए बयान के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। एक ओर जहां बयान को लेकर सियासी बयानबाजी तेज है। वहीं राजधानी भोपाल में महिला कांग्रेस ने मंत्री के सरकारी निवास का घेराव कर विरोध दर्ज कराया।

महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता हाथों में घंटियां लेकर मंत्री के निवास पहुंचीं और घंटी बजाकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनके इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में कांग्रेस के पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना भी मौजूद रहे।

महिला कांग्रेस नेत्रियों ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की फोटो पर जूते-चप्पल भी बरसाए।

'सत्ता के नशे में मदमस्त हो गए हैं'

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि इंदौर की घटना के बाद इस तरह का बयान यह दर्शाता है कि सत्ता के नशे में भाजपा नेता मदमस्त हो गए हैं। उन्हें लगता है कि ऐसे बयानों के बावजूद जनता उन्हें जिताती रहेगी, लेकिन यह सोच गलत है। उन्होंने मांग की कि घटना में मृतकों के परिवार से एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, प्रत्येक परिवार को एक करोड़ रुपए मुआवजा मिले और कैलाश विजयवर्गीय से तत्काल इस्तीफा लिया जाए।

महिला कांग्रेस का आरोप

जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष कंसाना ने कहा कि यह प्रदर्शन कैलाश विजयवर्गीय के गैर-जिम्मेदाराना बयान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि ऐसे संवेदनशील मामले में मंत्री का बयान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इसका विरोध जरूरी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** : नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)